

# अध्याय एक

## ईदगाह

### व्यायाम प्रश्न

प्रश्न 1.

‘ईदगाह’ कहानी के उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जिनसे ईद के अवसर पर ग्रामीण परिवेश का उल्लास प्रकट होता है।

उत्तर :

कहानी का प्रारंभ ईद के आने के उल्लास से होता है। प्रकृति भी ईद के अवसर पर अत्यंत मनोरम हो गई है। बच्चे ईदगाह पर लगनेवाले ईद के मेले में जाने की तैयारी कर रहे हैं। वे अपने-अपने पैसों से खिलौने, मिठाई आदि खरीदने का हिसाब लगा रहे हैं। हामिद की दादी उसे तीन पैसे देकर मेले में अन्य बच्चों के साथ भेजती है। बच्चे हैसते-खेलते-दौड़ते हुए मेले में जा रहे हैं। मेले में खिलौने, हलवाई, मनियारी आदि की दुकानें लगी हैं। बच्चे अपनी पसंद की चीजें खरीदते हैं। पुलिस लाइन और ईदगाह में सामूहिक रूप से नमाज पढ़नेवालों का वर्णन किया गया है। हामिद व्यर्थ की वस्तुओं में पैसे बरबाद न करके दादी के लिए चिमटा खरीदता है क्योंकि तवे से रोटी उतारते समय उसका हाथ जल जाता है। हामिद चिमटे के गुणों से सब बच्चों को हैरान कर देता है। अमीना सारी दोपहरी भूखा रहने पर हामिद को डाँटती है पर उसके लिए चिमटा लाने पर उसके प्रति अपार स्नेह से भर उठती है। इन सभी प्रसंगों में ईद के अवसर पर ग्रामीणों के उल्लास को व्यक्त किया गया है।

प्रश्न 2.

‘उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा। विपत्ति अपना सारा दलबल लेकर आए, हामिद की आनंद-भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी।’ इस कथन के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि आशा का प्रकाश मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

### उत्तर :

यदि मनुष्य के मन में उत्साह, उमंग, कुछ करने की भावना तथा साहस हो तो वह कठिन-से-कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है क्योंकि उसे विश्वास होता है कि उसका परिश्रम असफल नहीं होगा, उसकी आशाएँ पूरी होंगी। आशावान व्यक्ति को सर्वत्र शुभ ही दिखाई देता है। वह कभी निराश नहीं होता।

### प्रश्न 3.

‘उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखें बदल लें, तो यह सारी ईद मुहारम हो जाए।’ इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

### उत्तर :

बच्चे ईद के दिन बहुत प्रसन्न हैं। वे सुबह से ही ईदगाह पर जाने की रट लगा रहे हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि ईद का खर्च कैसे चलेगा ? उनके पिता चौधरी के घर रुपयों के लिए दौड़ गए हैं क्योंकि वे चौधरी से पैसे लेना चाहते हैं। यदि आज चौधरी ने उन्हें पैसे देने से मना कर दिया तो वे ईद नहीं मना पाएँगे और यह खुशियों से भरा ईद का त्योहार भी उनके लिए मातम मनाने वाला मुहरम बन जाएगा।

### प्रश्न 4.

‘मानो भातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।’ इस कथन के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए कि ‘धर्म तोड़ता नहीं जोड़ता है’।

### उत्तर :

ईद के मेले में गाँव के सभी बच्चे एक साथ मिलकर जा रहे हैं। उनमें अमीर-गरीब, ऊँच-नीच का कोई भेदभाव नहीं है। वे आपस में हँसी-मजाक करते हुए इस प्रकार जा रहे हैं जैसे सभी एक ही परिवार के सदस्य हों। इस प्रकार ईद के इस पावन पर्व पर सभी मिल-जुलकर एक हो गए हैं। इससे स्पष्ट है कि धर्म तोड़ता नहीं जोड़ता है।

**प्रश्न 5.**

**निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-**

(क) कई बार यही क्रिया होती है ..... आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है।

(ख) बुढ़िया का क्रोध ..... स्वाद से भरा हुआ।

**उत्तर :**

इस पाठ का 'सप्रसंग व्याख्या' वाला भाग देखिए।

**प्रश्न 6.**

**हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या-क्या तर्क दिए ?**

**उत्तर :**

हामिद का चिमटा देखकर उसके सभी ग्रामीण साथियों ने उसकी हैसी उड़ाई पर उसने तर्क के बल पर सभी को पराजित कर दिया। सम्मी ने अपनी खँँरी की प्रशंसा की तो हामिद ने कहा-मेरा चिमटा चाहे तो तुम्हारी खँँजरी का पेट फाड़ डाले। मेरा बहादुर चिमटा आग में, पानी में, आँधी में तुफान में बराबर डटा रहेगा। कंधे पर रखने से यह बंदूक तथा हाथ में लेने से यह फकीरों का चिमटा बन जाएगा। यह मंजीर का काम भी दे सकता है।

**प्रश्न 7.**

**गाँव से शहर जानेवाले रास्ते के मध्य पड़नेवाले स्थलों का ऐसा वर्णन प्रेमचंद ने किया है मानों आँखों के सामने चित्र उपस्थित हो रहा हो। अपने घर और विद्यालय के मध्य पड़नेवाले स्थानों का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।**

**उत्तर :**

मेरा घर शहर के अंदर के रामनगर क्षेत्र में है। यहाँ से मेरा विद्यालय चार किलोमीटर दूर खुले प्राकृतिक वातावरण में है। मैं घर से विद्यालय की बस में विद्यालय जाती हूँ। हमारी बस हमारे क्षेत्र से चलकर मुख्य बाज़ार से निकलती है। बाज़ार में वस्तों, मिठाई, किरयाना, मनियारी आदि के सामान की अनेक दुकानें हैं। बाज़ार के बाद सिनेमाघर हैं। जहाँ दिखाई जाने वाली फिल्म के पोस्टर लगे होते हैं। वहाँ से बस हमारे नगर के महाविद्यालय के मुख्य द्वार के

सामने से निकलती है। महाविद्यालय बहुत विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके साथ ही सार्वजनिक चिकित्सालय है। अंत में हमारा विद्यालय आ जाता है। हमारे विद्यालय के चारों ओर हरियाली है तथा मनोरम वातावरण है।

**प्रश्न 8.**

‘बच्चे हामिद ने बूटूडे हामिद का पार्ट खेला था। बुढ़िया अमीना बालिका बन गई।’ इस कथन में ‘बूड़े हामिद’ और ‘ बालिका अमीना’ से लेखक का क्या आशय है ? स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

हामिद मेले में जाकर भी मिठाई आदि कुछ नहीं खाता। वह सुबह घर से गया था और दोपहर के समय घर लौटा है। इस बीच उसने कुछ भी नहीं खाया-पिया था। दादी के दिए पैसों से वह दादी के लिए चिमटा लेकर आया है क्योंकि रोटी उतारते समय तवे से दादी की उँगलियाँ जल जाती थीं। हामिद भूखा-प्यासा रहकर दादी के लिए चिमटा लाया यह सोचकर दादी का मन भर आया और वह बालिका के समान रोने लगी कि इतना छोटा बच्चा कैसे उसका ध्यान रख रहा है और उसे आशीर्वच देने लगी। उसे हामिद एक बुजुर्ग लग रहा था और वह उसके सामने बालिका बन गई थी।

**प्रश्न 9.**

‘दामन फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती थी और आँसू की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थी। हामिद इसका रहस्य क्या समझता।’ लेखक के अनुसार हामिद अमीना की दुआओं और आँसुओं के रहस्य को क्यों नहीं समझ पाया ? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :**

मुंशी प्रेमचंद ने यहाँ इस रहस्य की ओर संकेत किया है कि किस भावना के वशीभूत होकर हामिद की दादी एक बालिका के समान रोती जा रही है और साथ ही दामन फैलाकर उसे आशीर्वाद भी दे रही है। वह दादी के मन में छुपे हुए इस भेद को नहीं समझ पा रहा था क्योंकि वह नादान बालक था।

## योग्यता-विस्तार

**प्रश्न 1.**

प्रेमचंद की कहानियों का संग्रह 'मानसरोवर' के नाम से आठ भागों में प्रकाशित है। अपने पुस्तकालय से उसे लेकर पढ़िए।

**उत्तर :**

विद्यार्थी स्वयं करें।

**प्रश्न 2.**

इस कहानी में लोक प्रचलित मुहावरों की भरमार है, जैसे-नानी मरना, छक्के छूटना आदि। इसमें आए मुहावरों की एक सूची तैयार कीजिए।

**उत्तर :**

आँखें बदलना, ईद मुहरम हो जाना, कुबेर का धन, राई का पर्वत बनाना, अरमान निकालना, बेड़ा पार लगाना, मुँह चुराना, पर लगाना, जी चुराना, आँखों तले अँधेरा, खिसिया जाना, मिजाज दिखाना, आग में कूदना, गद्गद होना, दिल कचोटना, मैदान मारना, उल्लू बनाना, सिर पर सवार होना, बाल भी बाँका न होना, माटी का चोला माटी में मिलना, एड़ी-चोटी का जोर लगाना।

## प्रश्न और उत्तर

### प्रश्न 1.

**मिठाई न खरीद पाने पर हामिद अपने-आपको कैसे समझाता है ?**

#### उत्तर :

हामिद के साथी मिठाइयाँ खरीदते और खाते हैं। वे हामिद को दिखा-दिखाकर खाते हैं। हामिद मिठाइयों को ललचाई आँखों से देखता है। हामिद ने किताब में मिठाइयों की बुराइयों के बारे में पढ़ा था। वह स्वयं को समझाता है कि खाएँ मिठाइयाँ, अपने-आप इनका मुँह सड़ेगा और फोड़े-फुँसियाँ निकलेंगी। जब इनकी जबान चटोरी हो जाएगी तो घर से पैसे चुराकर खाएँगे और घरवालों की मार भी खाएँगे। किताब में झूठी बातें थोड़े ही लिखी होती हैं। मेरी जबान तो खराब भी नहीं होगी।

### प्रश्न 2.

**हामिद ने खिलौने क्यों नहीं खरीदे ?**

#### उत्तर :

हामिद को अपनी गरीबी का अहसास था। असमय ही वह प्रौढ़ बुद्धिवाला बन गया था। खिलौने तो चार दिन का खेल हैं। चिमटों को एक दुकान पर देखकर उसे खयाल आया कि दादी के पास चिमटा नहीं। तब से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाता है। चिमटा देखकर दादी प्रसन्न होंगी। घर में एक काम की चीज़ हो जाएगी।

### प्रश्न 3.

**ईद के दिन गाँव के बच्चे क्यों प्रसन्न थे ?**

#### उत्तर :

रमज़ान के पूरे तीस रोजों के बाद ईद आई थी। ईद मुसलमानों का सबसे बड़ा त्योहार है। त्योहार सबके हृदय में खुशियाँ भर देता है। बच्चे सबसे अधिक प्रसन्न हैं क्योंकि वे गृहस्थी की चिंताओं से मुक्त हैं। रोज़ ईद का नाम रटते थे। उसका आना उनको प्रसन्नता से भर देता है। वे मेले में जाएँगे, घूमेंगे-फिरेंगे, मनपसंद मिठाइयाँ खाएँगे और खिलौने खरीदेंगे।

**प्रश्न 4.**

**ईद की नमाज के द्वारा लेखक ने क्या संदेश दिया है ?**

**उत्तर :**

ईद का त्योहार छोटे-बड़े का भेद मिटा देता है। इस अवसर पर सब एक-दूसरे के गले लगकर मिलते हैं। ईदगाह में कोई धन और पद नहीं देखता। ईद आपसी भाईचारे को बनाए रखने तथा अनुशासनमय जीवन व्यतीत करने का संदेश देती है। ईद का पर्व ही यह बताता है कि सभी में एक ही आत्मा का निवास है। सभी भ्रातृत्व के एक सूत्र में बँधे हैं।

**प्रश्न 5.**

**चिमटा खरीदकर हामिद ने अच्छा किया या बुरा ? स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :**

चिमटा खरीदकर हामिद ने अच्छा ही किया। उसे अपनी निर्धनता का आभास था। उसे अपनी दादी का भी खयाल था क्योंकि तवे से रोटी उतारते समय उसके हाथ जल जाते थे। खिलौने तो थोड़ी देर के लिए मन बहलाते हैं और चिमटा हमेशा काम आएगा।

**प्रश्न 6.**

**ईद के दिन अमीना का दिल क्यों कचोट रहा था ?**

**उत्तर :**

अमीना का दिल कचोट रहा था क्योंकि हामिद अकेला मेले में जा रहा था। उसे उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान था। उसे डर था कि कहीं हामिद मेले में खो न जाए। फिर तीन-चार कोस कैसे चलेगा ? पाँव में छाले पड़ जाएँगे। यह सब सोचकर अमीना का दिल कचोट रहा था। वह दुखी थी और भयभीत भी।

**प्रश्न 7.**

**ईदगाह का वातावरण कैसा होता है ?**

**उत्तर :**

ईदगाह का वातावरण बहुत शांत होता है। सभी एक पंक्ति में खड़े हो जाते हैं। सभी वजू करते हैं। बड़ा सुंदर संचालन होता है। हजारों सिर एक साथ सिजदे में

झुक जाते हैं, फिर सब-के-सब एक साथ खड़े हो जाते हैं ऐसा लगता है कि मानो भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोए हुए है। यहाँ कोई पद या धन का गौरव नहीं होता। सभी समान होते हैं।

**प्रश्न 8.**

**अमीना कौन है ? उसने छाती क्यों पीट ली ?**

**उत्तर :**

अमीना हामिद की दादी है। हामिद के माता-पिता नहीं हैं इसलिए अमीना ही उसकी देखभाल करती है। हामिद मेले में गया था। उसके पास केवल तीन पैसे थे। उन पैसे का सदुपयोग कर वह दादी के लिए चिमटा ले आया क्योंकि तवे से रोटी उतारते समय उसके हाथ जल जाते हैं। अमीना उसकी इस दूरदर्शिता से परिचित नहीं थी और वह यह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि हामिद मेले में भूखा-प्यासा रहकर चिमटा लाएगा। अतः उसने छाती पीटकर हामिद की इस नासमझी पर दुख प्रकट किया।

**प्रश्न 9.**

**चिमटा कौन लाया था ? उसके प्रति आपके मन में कैसे भाव हैं ?**

**उत्तर :**

चिमटा हामिद लेकर आया था। हमारे मन में उसके प्रति सहानुभूति का भाव उत्पन्न होता है। हम उसकी दूरदर्शिता तथा समझदारी से प्रभावित होते हैं। उसमें निडरता तथा तर्क की शक्ति भी है। वह अपने साथियों को अपनी दलीलों से पराजित कर देता है। उसमें संयम का भाव भी है। उसे दादी की सुविधा का भी ध्यान है। उसके चरित्र से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि पैसे का सदुपयोग करने में समझदारी है।

**प्रश्न 10.**

**हामिद में बुजुर्गों जैसी सोच के क्या कारण थे ?**

**उत्तर :**

हामिद के माता-पिता नहीं थे। वह अपनी दादी अमीना के पास रहता था। अमीना की निर्धनता का कोई ठिकाना नहीं था। हामिद बालक होते हुए भी



जीवन की कठिनाइयों से परिचित हो गया था। यही कारण है कि वह मेले में तीन पैसे न तो खिलौने पर खर्च करता है और न ही मिठाई पर। वह दादी के लिए चिमटा खरीदकर ले आता है क्योंकि रोटियाँ सेंकते समय दादी की उंगलियाँ जलती थीं। चिमटे की उपयोगिता को भली-भौति समझता है। घर में जो काम एक बूढ़ा अथवा प्रौढ़ व्यक्ति कर सकता है, वह हामिद ने कर दिखाया।

### **प्रश्न 11.**

**‘ईदगाह’ कहानी का उद्देश्य क्या है ?**

**उत्तर :**

इस कहानी में लेखक ने बड़े सुंदर ढंग से एक मुस्लिम गरीब परिवार के साथ-साथ शहर में होनेवाले मेले का यथार्थ तथा व्यापक चित्र प्रस्तुत किया है। साथ ही मेले में भिन्न-भिन्न वस्तुओं को देखते हुए एक पितृविहीन अनाथ बच्चे की मानसिकता तथा विवशताओं का बड़ा ही मार्मिक और मनोवैज्ञानिक चित्रण किया है। एक बच्चे का अपनी वृद्धा दादी के प्रति अपार प्रेम का भी वर्णन है। यही प्यार बच्चे को बूढ़ा बना देता है।

### **प्रश्न 12.**

**ईदगाह कहानी में हामिद कौन है ? उसकी भूमिका क्या है ?**

**उत्तर :**

हामिद ‘ईदगाह’ कहानी का मुख्य पात्र है। वह चार-पाँच वर्ष का एक गरीब है, जो अपनी दादी के साथ रहता है। गत वर्ष उसके पिता का हैस्ट्रह की बीमारी से देहांत हो गया। पिता की मृत्यु के बाद उनके शोक में हामिद की माँ पीली होते-होते एक दिन मर गई। लेकिन किसी को माँ के मरने की बीमारी का पता नहीं चला।

### **प्रश्न 13.**

**हामिद की वेशभूषा का वर्णन करते हुए बताएँ कि हामिद खुश क्यों था ?**

**उत्तर :**

हामिद अत्यंत निर्धन है। उसके पाँव में जूते नहीं हैं। सिर पर एक पुरानी टोपी है जिसका गोटा काला पड़ गया है। गरीबी में भी वह अत्यंत प्रसन्न है क्योंकि

उसकी दादी ने उसके दिल में कुछ आशाएँ बाँधी थीं। उसके पिता थैलियाँ और अम्मीजान नियामतें लेकर आएँगी तब वह अपने दिल के सभी अरमान पूरे कर लेगा।

**प्रश्न 14.**

**माता-पिता की मृत्यु के बाद हामिद किसके साथ रह रहा था और वह उसे क्या कहती थी ?**

**उत्तर :**

माता-पिता की मृत्यु के बाद हामिद अपनी दादी अमीना के साथ रहता था। उसकी दादी उससे असीम प्रेम करती थी। हामिद उसी की गोद में सोता था। वह हामिद को सदैव कहती थी कि उसके अब्बाजान रुपये कमाने गए हैं। बहुत-सा धन कमाकर लाएँगे। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बड़ी अच्छी चीजें लाने गई हैं।

**प्रश्न 15.**

**ईद के दिन अमीना क्यों रो रही थी ?**

**उत्तर :**

हामिद की दादी अमीना अत्यंत गरीब एवं फटेहाल है। उसके घर में अनाज का दाना तक नहीं है। उसका एकमात्र पुत्र अल्लाह की गोद में चला गया है। आज ईद के पर्व पर उसके पास अपने पोते हामिद को देने के लिए मात्र तीन पैसे के सिवाए और कुछ नहीं है। अतः अपनी इसी विवशता के कारण वह मुँह छुपाए घर के कोने में बैठी अपनी किस्मत पर रो रही थी।

**प्रश्न 16.**

**ईदगाह पहुँचने से पूर्व लड़कों ने क्या देखा ?**

**उत्तर :**

सभी लड़के सज-धजकर शहर जाने को तैयार हो गए। वे हँसते-खेलते शहर पहुँचे, जहाँ उन्होंने सबसे पहले अदालत, कॉलेज, क्लब-घर आदि की बड़ी-बड़ी इमारतें देखीं। इसके बाद हलवाईयों की बड़ी-बड़ी दुकानें देखीं, जहाँ लोगों की

खूल भीड़ लगी हुई थी। अंत में इमली के घने वृक्षों के नीचे उन्हें ईदमाह दिखाई दी।

**प्रश्न 17.**

**ईदगाह के अंदर का दृश्य अंकित कीजिए।**

**उत्तर :**

ईदगाह के अंदर रोज़ादारों की एक के बाद एक पंक्तियाँ लगी हुई थीं। यहाँ अमीर-गरीब का कोई भेद-भाव नहीं था। सब मिलकर एक साथ सिजदे में झुक रहे थे और फिर एक साथ खड़े हो जाते थे। वहाँ भाई-चारे का अत्यंत सुंदर दृश्य देखते ही बनता था। नमाज के बाद सब आपस में गले मिल रहे थे।

**प्रश्न 18.**

**मोहसिन ने अपने मामू की कौन-सी बात अपने दोस्तों को बताई ?**

**उत्तर :**

मोहसिन ने अपने दोस्तों से कहा कि उसके मामू एक थाने में कानिसटिबिल हैं। वह बीस रुपया महीना पाते हैं लेकिन पचास रुपये घर भेजते हैं। एक बार उसने जब अपने मामू से पूछा कि आप इतने रुपये कहाँ से पाते हैं ? तब उसके मामू ने हँसकर उत्तर दिया कि अल्लाह उन्हें देता है। कुछ देर बाद फिर उन्होंने कहा कि वे लोग चाहें तो एक दिन में लाखों रुपयों कमा लें लेकिन वे उतना ही कमाते हैं कि उनकी बदनामी न हो और नौकरी भी न जाए।

**प्रश्न 19.**

**मोहसिन की माँ ने उसे और उसकी बहन को दो-दो चाँटे क्यों लगाए ?**

**उत्तर :**

मोहसिन जैसे ही घर पहुँचा। मोहसिन की छोटी बहन ने दौड़कर भिश्ती उसके हाथ से छीन ली और मारे खुशी के उछलने लगी। उछलते ही भिश्ती उसके हाथ से हूटकर नीचे गिर गया और सुरलोक सिधार गया। इसी बात पर दोनों भाई-बहन में मार-पीट हो गई। दोनों खूब रोए। उनकी अम्मी उनका शोर सुनकर बाहर आई और दोनों को दो-दो चाँटे लगाए।

**प्रश्न 20.**

**अमीना दादी का मन गद्गद क्यों हो गया ?**

**उत्तर :**

हामिद ने जब अत्यंत अपराधी भाव से कहा दादी तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं; इसलिए उसने चिमटा खरीदा। सहसा दादी का क्रोध स्नेह में बदल गया। यह मूक स्नेह था। खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। वह सोचने को विवश हो गई कि छोटे-से बालक में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है जो दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर डगमगाया नहीं। अपने पोते की इन्हीं खाबियों को देखकर दादी का मन गद्गद हो गया।

**प्रश्न 21.**

**हामिद और दुकानदार के मध्य हुई वार्ता का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर :**

- हामिद – यह चिमटा कितने का है?
- दुकानदार – तुम्हारे काम का नहीं है जी।
- हामिद – बिकाऊ है कि नहीं?
- दुकानदार – बिकाऊ क्यों नहीं है। और यहाँ क्यों लाद लाए हैं?
- हामिद – तो बताते क्यों नहीं, कै पैसे का है?
- दुकानदार – छः पैसे लगेंगे।
- हामिद – ठीक-ठीक बताओ।
- दुकानदार – ठीक-ठीक पाँच पैसे लगेंगे, लेना हो लो, नहीं तो चलते बनो।
- हामिद – तीन पैसे लोगे?